

प्रैषक

अजय सिंह नवियाल,  
आपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

मुख्य अमिनता एवं विभागाध्यक्ष,  
विवाह विभाग, उत्तराखण्ड,  
देहरादून।

सिंचाई विभाग

देहरादून : दिनांक 17 दिसम्बर, 2008

विषय : वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु आयोजनागत मदों में घनावंटन-स्वीकृण एवं अनुसंधान कार्य

महोदय

उपर्युक्त विषयक ऊचक पत्र संख्या 3113/मुजुविभ/बजट/वी-1 सामान्य दिनांक 14.07.08 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि अनुसंधान एवं स्वीकृण कार्य के लिए वर्ष 2008-09 में आयोजनागत यह न राज्य सेक्टर के अन्तर्गत कुल रुपये 150.00 लाख (रुपये एक लाख छव्वांस लाख नाम्र) की अनुसंधान आय हेतु आपको निवार्तन पर सत्रे जाने की श्री राव्यवाल महोदय रहाई स्वीकृति द्वान करते हैं।

- 2- उपर्युक्तानुसार अनुसंधान की जा रही घनराशि का उपयोग कंठल बाल कार्यों के लिए ही किया जायेगा। यदि कोई नया कार्य किया जाना हो तो व्यय से पूर्ण शासन की स्वीकृति प्राप्त कर ली जाए।
- 3- घनराशि व्यय किये जाने के सन्दर्भ में भित्तिक अदानों का कठाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए और जहाँ कहीं आवश्यक हो व्यय से पूर्व रहम विकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए।
- 4- इन स्वतंत्र में हांस बला व्यवहार का वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक की अनुदान संग-20 के आयोजनामत मद के अन्तर्गत लेखांशिक 4701-स्थान लियाई पर पूँजीगत परिवर्त्य 80-सामान्य 00-आयोजनागत 085-स्वीकृण एवं अनुसंधान 03-विमान कार्य 42-अन्य व्यवहार के अन्तर्गत सुरक्षा प्राप्तिके इकाईयों के नामे छाला जायेगा।

वह अदान वित्त विभाग के असालकीय संख्या 974/XXVII(2)/2008, दिनांक 11.12.2008 में ग्राह उनकी रहनहीं से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अजय सिंह नवियाल)  
आपर सचिव

3967  
संख्या / 11-2008-03(18) / 08, ददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं अवश्यक कार्यवाही हेतु प्रवित :-

1. महालंखाकान उत्तराखण्ड।
2. निजी सदिय सदृश व्यवहारी जी का मामू बड़ी जी के संज्ञानार्थ।
3. विलापिकारी/कोषाधिकारी नैनीताल/हल्दानी।
4. वित्त अनुमान-2, उत्तराखण्ड शासन।
5. निवोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, राज्योदयित निवोजन तथा संसद निवेशालय, सचिवालय।
7. अधिकारी निदेशक, सूचना एवं लैक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
8. निदेशक, राज्योदय तृतीय लंब्ध, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. गाहूं काहूं।

आज्ञा अ  
(पुस्तकालय)  
संयुक्त सचिव